सृजन एवं प्रलय, शिक्षक की गोद में पलते हैं

# ध्येय पथ

छात्र-संघ द्वारा प्रकाशित मासिक

वर्ष - 01, अंक-01 नवम्बर 2016 कार्तिक शुक्ल १, वि.सं. २०७३

## महत्वपूर्ण गतिविधियाँ नवम्बर की

### छात्र-संघ की साधारण सभा

४ नवम्बर को छात्र-संघ की साधारण सभा आयोजित होगी। जिसमें छात्र-समस्या एवं समाधान, छात्र-संकल्प तथा लक्ष्य की ओर विषय पर श्रीराम अग्रवाल जी का व्याख्यान होगा। इस अवसर पर श्री इन्द्रासन राय जी भी अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

### संस्थापक-सप्ताह एवं युवा महोत्सव

१४ नवम्बर से २० नवम्बर तक महाविद्यालय का संस्थापक सप्ताह समारोह एवं युवा महोत्सव आयोजित होगा। इस साप्ताहिक आयोजन के अन्तर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएँ यथा प्रश्नमंच, हिन्दी आशुभाषण, सामान्य ज्ञान, कम्प्यूटर प्रश्नमंच, हिन्दी, अंग्रेजी तथा संस्कृत भाषण प्रतियोगिताओं के साथ-साथ कबड्डी, वालीबाल, बैडमिन्टन सहित अन्य खेल प्रतियोगिताएँ आयोजित होंगी।

### राष्ट्रीय सेवा योजना : साप्ताहिक शिविर

१४ नवम्बर से २० नवम्बर तक गुरु श्री गोरक्षनाथ एवं हिन्दुवा सूर्य महाराणा प्रताप ईकाइ का साप्ताहिक विशेष शिविर जंगल औराही एवं मंझरिया गाँव में सम्पन्न होगा।

### गाँव की ओर बी.एड. विभाग

१४ नवम्बर से २० नवम्बर तक बी.एड. विभाग के विद्यार्थी अपने द्वारा ग्राम डांगीपार तथा अभिगृहीत गाँव में साक्षरता एवं स्वास्थ्य जागरुकता अभियान चलायेंगे तथा सर्वेक्षण आदि कार्य पूर्ण करेंगे।

### महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक-सप्ताह समारोह

४ दिसम्बर से १० दिसम्बर तक प्रतिवर्ष सम्पन्न होने वाले महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक-सप्ताह समारोह की तैयारी की जायेगी। इस समारोह की तैयारी कार्यक्रमों का संयोजकत्व श्रीमती कविता मन्ध्यान ने स्वीकार की है।

### प्रार्थना सभा में महापुरुष स्मृति दिवस

| | | |
|---|---|---|
| ०४ नवम्बर | - | वासुदेव बलवंत फड़के जयन्ती। |
| १२ नवम्बर | - | महामना मदन मोहन मालवीय पुण्यतिथि। |
| १४ नवम्बर | - | गुरूनानक जयन्ती। |
| १५ नवम्बर | - | आचार्य बिनोवा भावे पुण्यतिथि। |
| १७ नवम्बर | - | लाला लाजपत राय बलिदान दिवस। |
| १६ नवम्बर | - | महारानी लक्ष्मीबाई जयन्ती। |
| २३ नवम्बर | - | जगदीश चन्द्र वसु जयन्ती। |
| २४ नवम्बर | - | गुरु तेग बहादुर शहीद दिवस। |

## प्रवेशांक

महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ की मासिक वैचारिकी ध्येय पथ के प्रकाशन की योजना कई बार बनी-बिगड़ी। अनेक कारणों से इसका प्रकाशन नहीं हो पाया। तथापि ध्येय पथ का यह प्रवेशांक आप सभी के हाथों में देते समय हम आहलादित है। महाविद्यालय अपने ध्येय-पथ पर निरन्तर बढ़ते हुए सृजनात्मकता को प्रमुख साधन मानता है। शिक्षकों, विद्यार्थियों का स्वयं के समग्र विकास के साथ राष्ट्र-समाज को समर्पित उनका मानस निर्मित करना ही महाविद्यालय का ध्येय है। यही उसका विजन है। अपने अनवरत विकास-यात्रा में महाविद्यालय ने अपने सभी घटकों के बीच निरन्तर संवाद के अनेक मंच विकसित किए हैं। छात्रसंघ की साधारण सभा ऐसा ही एक मंच है जहाँ विद्यार्थी-शिक्षक-कर्मचारी अपनी बात रख सकता है। शिक्षक संघ, कर्मचारी संघ, छात्रा संघ, पुरातन छात्रा परिषद, अभिभावक संघ जैसे जीवन्त घटक समूह आपसी संवाद के केन्द्र हैं। तथापि एक ऐसे मंच के विकास की योजना का हिस्सा है ध्येय पथ का मासिक प्रकाशन जहाँ विद्यार्थी, शिक्षक, कर्मचारी, पूर्व विद्यार्थी, प्राचार्य, अभिभावक अपनी-अपनी बात कभी भी कह सकें। छात्र संघ द्वारा प्रकाशित मासिक ध्येय पथ में प्राचार्य, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी, अभिभावक को महाविद्यालय की विकास यात्रा के सम्बन्ध में विचार, सुझाव, अभिमत प्रकाशित होंगे।

ध्येय पथ के प्रकाशन में आप सभी का सहयोग अपेक्षित रहेगा। आइए सवांद, सहयोग एवं सहभाग से महाविद्यालय का ध्येय पथ सुगम बनाएँ।

2 अक्टूबर को ध्वजारोहण में सम्मिलित विद्यार्थी

## पुरातन छात्र परिषद सम्मेलन

२ अक्टूबर को महाविद्यालय के जगत जननी सीता सभागार में पुरातन छात्र परिषद सम्मेलन आयोजित हुआ। इस सम्मेलन में महाविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया तथा प्रति वर्ष की भाँति पुरातन छात्र परिषद का चुनाव सम्पन्न हुआ।

## राष्ट्रीय पर्व

२ अक्टूबर को महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयन्ती को राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाया गया। ध्वजारोहण, राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस अवसर पर अंग्रेजी विभाग द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता भी आयोजित की गई । राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा अभिगृहीत गाँव में स्वच्छता अभियान चलाया गया ।

2 अक्टूबर को अंग्रेजी विभाग की पोस्टर प्रतियोगिता

## छात्र संघ कार्यकारिणी की बैठक

२ अक्टूबर को महाविद्यालय के छात्रसंघ के कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न हुयी। इस बैठक में महाविद्यालय की विभिन्न समितियों में छात्रसंघ के पदाधिकारी एवं सदस्य मनोनित किये गये। नियन्ता मण्डल पुस्तकालय समिति, प्रयोगशाला समिति, क्रीड़ा समिति, सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति, प्रार्थना सभा समिति, स्वच्छता समिति में छात्रसंघ के पदाधिकारी अथवा प्रतिनिधि के निर्धारित नाम छात्रसंघ अध्यक्ष द्वारा उपर्युक्त समिति के संयोजकों को दे दिया गया।

## महंत अवेद्यनाथ स्मृति कैरम प्रतियोगिता

०४ अक्टूबर को महाविद्यालय में राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति एक दिवसीय कैरम प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इस प्रतियोगिता का शुभारंभ वाणिज्य विभाग के प्रवक्ता श्री नन्दन शर्मा ने किया। इस अवसर पर प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए उन्होनें कहा कि **"खेल उच्चतर मानसिक विधाओं को विकसित करने का का अनूठा कारक है।"** इस प्रतियोगिता में

बालक वर्ग में ८ टीमों तथा बालिका वर्ग में ६ टीमों ने प्रतिभाग किया। बालक वर्ग के फाइनल मैच में राघवेन्द्र प्रताप सिंह एम०काम० प्रथम वर्ष और जसवन्त कुमार बी०काम० तृतीय वर्ष ने सुधांशु यादव बी०ए० तृतीय वर्ष और सतीश चौरसिया बी-एस०सी० द्वितीय वर्ष को पराजित कर विजेता का सम्मान प्राप्त किया। बालिका वर्ग के फाइनल मैच में शिंवागी पाण्डेय बी०काम० प्रथम वर्ष और मनीषा श्रीवास्तव बी०काम० द्वितीय वर्ष ने तनु कुमारी बी०ए० तृतीय वर्ष और पूजा यादव बी०काम० प्रथम वर्ष को पराजित कर विजेता का सम्मान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के अन्त में क्रीड़ा प्रभारी श्री मृत्युन्जय कुमार सिंह ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। श्री आशीष राय का सहयोग सराहनीय रहा।

## वायु सेना स्थापना दिवस

वायुसेना स्थापना दिवस पर सम्बोधित करते श्री सुबोध कुमार मिश्र

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में वायु सेना स्थापना दिवस के अवसर पर "भारतीय वायु सेना का देश की सुरक्षा और आपदा में योगदान" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए प्राचीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता **सुबोध कुमार मिश्र** ने कहा कि **भारतीय वायु सेना भारत की सुरक्षा की प्राणवायु है।** कार्यक्रम अधिकारी **डॉ. यशवन्त कुमार राव** कहा कि भारतीय वायु सेना दुनिया की चौथी बड़ी वायु सेना है, व्याख्यान में प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव, वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने आभार ज्ञापित किया।

साप्ताहिक कार्यशाला का समापन समारोह

## सप्तदिवसीय कार्यशाला

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, में गृह विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि खाद्य एवं फल संरक्षण विभाग के प्रभारी श्री आर.पी. गौतम थे। आभार ज्ञापन कार्यशाला की संयोजिका गृहविज्ञान विभाग की प्रभारी डॉ. शक्ति सिंह ने किया तथा संचालन श्री प्रकाश प्रियदर्शी ने किया। २० अक्टूबर को गृह विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला के समापन समारोह सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विषय-विशेषज्ञ के रूप में श्री ईश्वरचन्द श्रीवास्तव थे। उक्त कार्यशाला में जैम, मुरब्बा, जेली, ऑवले का मुरब्बा नवरत्न चटनी, टोमैटो सॉस तथा गोभी, गाजर, अदरख, हरी मिर्च इत्यादि का सीमित संसाधनों में अचार बनाना इत्यादी अन्य कार्यक्रम खाद्य एवं फल संरक्षण विभाग द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यशाला में छात्र/छात्राओं को प्रशिक्षण, मुख्य प्रशिक्षक

साप्ताहिक कार्यशाला का उद्घाटन समारोह

जैनुल आब्दीन खाँ एवं सहायक प्रशिक्षक कमल श्रीवास्तव ने दी। उपर्युक्त कार्यशाला के माध्यम से छात्र-छात्राओं को सीखने का पर्याप्त अवसर प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की प्रवक्ता डॉ. अपर्णा मिश्रा ने किया।

## भाषण प्रतियोगिता

भाषण प्रतियोगिता में उपस्थित शिक्षक एवं छात्र

राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में संयुक्त राष्ट्रसंघ स्थापना दिवस के अवसर पर "विश्व शान्ति और संयुक्त राष्ट्रसंघ की भूमिका" विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गयी। भाषण प्रतियोगिता में १३ प्रतिभागियों ने सहभाग किया बी.ए. भाग-एक के राहुल गिरि, बी.

ए. भाग-दो की प्रियंका गुप्ता एवं बी.एड. भाग-एक के कृष्ण मोहन को संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान तथा बी.ए. भाग-एक अनूप कुमार एवं बी.ए. भाग-दो रवि प्रताप नागवंशी को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

## आजाद हिन्द फौज की सरकार

राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान भारत में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस और आजाद हिन्द फौज द्वारा २१ अक्टूबर को ब्रिटिश भारत में अस्थायी सरकार स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित व्याख्यान में राजनीतिशास्त्र के प्रवक्ता डॉ. कृष्ण कुमार तथा वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम को डॉ. यशवन्त कुमार राव, सुबोध कुमार मिश्र, गोविन्द कुमार वर्मा, आशिष राय ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं स्वयंसेवक-स्वयंसेविकाएँ उपस्थित रहे।

## साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान

22 अक्टूबर शनिवार को महाविद्यालय के शौचालयों में साप्ताहिक स्वैछिक श्रमदान के अन्तर्गत विद्यार्थी सहित प्राचार्य

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज जंगल धूसड़, गोरखपुर में स्थापना वर्ष २००५ से साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान की योजना लागू है। महाविद्यालय में प्रत्येक शनिवार को विद्यार्थियों शिक्षकों, कर्मचारियों एवं प्राचार्य द्वारा स्वैच्छिक श्रमदान किया जाता है। अक्टूबर माह का अन्तिम साप्ताहिक श्रमदान २२ अक्टूबर, शनिवार को सम्पन्न हुआ।

## स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में गुरू श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय के ब्लड बैंक द्वारा छात्र-छात्राओं, शिक्षक एवं प्राचार्य सहित ४२ लोगो का रक्त संग्रह किया गया। रक्तदान करने वालों में प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव, शिक्षकों में डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र, अंशुमान सिंह, डॉ. मृत्युन्जय कुमार सिंह, डॉ. शिप्रा सिंह, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, डॉ. अभिषेक सिंह, शैलेन्द्र कुमार सिंह, डॉ. राजेश कुमार शुक्ला, डॉ. कृष्ण कुमार, डॉ. शक्ति सिंह, डॉ. यशवन्त कुमार राव, प्रदीप कुमार वर्मा, नन्दन शर्मा, वागीश राज पाण्डेय विद्यार्थियों में अनुपम त्रिपाठी एम.काम. भाग-एक, राहुल गिरि बी.ए. भाग-एक, राहुल दूबे बी.काम. भाग-एक, विजय यादव बी.ए. भाग-एक, विदिशा शर्मा बी.ए. भाग-दो, विभा कुमारी बी. एस-सी. भाग-एक, मयंक तिवारी, राना शिवेन्द्र बी.एस.-सी. भाग-तीन, सोमनाथ कन्नौजिया बी.एड. भाग-एक, कुन्ज बिहारी मिश्रा बी.एड. भाग-एक, प्रिया श्रीवास्तवा बी.एड. भाग-एक, आलोक रंजन राय, बी. एस.-सी. भाग-एक, सूरज तिवारी, बी.ए. भाग-एक, अनिल कुमार चौहान बी.ए. भाग-दो, सतीश साहनी बी.काम. भाग-दो, दुर्गेश कुमार बी.ए. भाग-दो, सिद्धार्थ कुमार शुक्ला एम.काम. भाग-एक, कृष्णमोहन बी.एड. भाग-एक, रिया राव, बी.ए. भाग-तीन, संगीता वर्मा बी.एड. भाग-एक, संदीप प्रजापति बी.ए. भाग-तीन, रोली कुमारी बी.ए. भाग-एक, संजय कुमार बी.एड. भाग-एक, मुकेश कुमार बी.एड. भाग-एक, ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह एवं नवनीत कुमार ने रक्तदान किया।

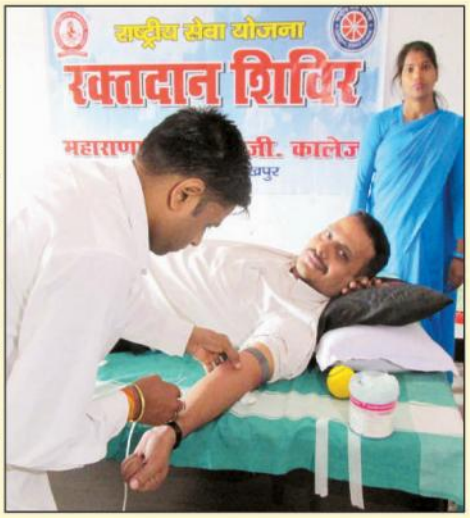


## शैक्षिक कार्यशाला – 27 अक्टूबर 2016

शैक्षिक कार्यशाला

भारत का भाग्योदय तय है। निमित्त कौन बनेगा? हम नहीं जानते। यद्यपि कि महापुरूषों ने कहा है कि शिक्षक की गोंद में सृजन और प्रलय पलग है। कक्षाओं में देश के भविष्य का निर्माण होता है। माना जाए वो किसी भी समाज-राष्ट्र की दिशा उस देश का शिक्षक तप कर सकता है। भारत के भाग्योदय में शिक्षक अपनी भूमिका कहाँ तक निभाएगा? वर्तमान शिक्षण संस्थाओं में शिक्षकों की भूमिका को देखकर उत्तर बहुत सकारात्मक नहीं मिलता। व्यक्तित्व निर्माण की दृष्टि से भी शिक्षण संस्थाएँ कोई विशेष महत्वपूर्ण भूमिका नहीं निभा पा रही हैं। हम श्रम न करने वाला तथा स्वार्थी डिग्रीधारी युवा पैदा कर रहे हैं। परिणामतः अधिकांश शिक्षण संस्थाएँ अप्रासंगिक, निरर्थक और समाज द्वारा तिरष्कृत होती जा रही हैं। शिक्षक की प्रासंगिता पर प्रश्नचिह्न उठ रहे हैं और वह अपनी गरिमा खोता जा रहा है।

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर परिसर और उससे सम्बद्ध महाविद्यालयों की वर्तमान स्थिति अत्यन्त निराशाजनक है। अधिकांश स्ववित्तपोषित महाविद्यालय तो महाविद्यालय कहलाने लायक नहीं है। ऐसी स्थिति में महाविद्यालय के हम शिक्षक 'स्वान्तः सुखाय' शिक्षकीय कार्य का आनन्द लें। पठन-पाठन का प्रतिमान स्थापित करें। अपनी कक्षाओं में भारत के भविष्य का बेहतर निर्माण करें। शिक्षक की मान-मर्यादा और गरिमा की रक्षा की यज्ञाहुति बनें।

शैक्षिक कार्यशाला में अपनी बात रखते शिक्षक

उपर्युक्त वैचारिक पृष्ठभूमि में महाविद्यालय के शिक्षकों की एक दिवसीय कार्यशाला पूर्वाह्न १० बजे से प्रारम्भ हुयी तथा निम्नवत तीन सत्रों में पूर्ण हुयी-

प्रथम सत्र - १० से ११.३० - खुला सत्र, खुली चर्चा।
द्वितीय सत्र - १२ से ०१.३० - वर्तमान सत्र में अध्ययन अध्यापन एवं नये प्रयोग।
तृतीय सत्र - ०२ से ०३.३० - आगामी योजनाएँ एवं कार्यक्रम।

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर छात्रसंघ द्वारा प्रकाशित मासिक वैचारिकी। प्रधान सम्पादक-वागीश राज पाण्डेय सम्पादक-सिद्धार्थ कुमार शुक्ल, सह-सम्पादक-आशीष राय, प्रगति मिश्रा, अनुराग त्रिपाठी, राहुल गिरि। वेबसाईट-www.mpm.edu.in